



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 466]
No. 466]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 3, 1986/आश्विन 11, 1908
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 3, 1986/ASVINA 11, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1986

सा.का.नि. 1126(प्र) :—विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 18 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार मुम्बई पत्तन पर विस्फोटक पदार्थों की उठाई-धराई का विनियमन करने वाले नियमों का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्राव्य भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं.सा.का.नि. 20(अ) तारीख 6 जनवरी, 1986 के साथ भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (i) तारीख 10 जनवरी, 1986 में प्रकाशित किया गया और ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसकी उस राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित हुई, जनता को उपलब्ध करा दी गई, वैतालीस दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव मंगे गए थे ;

और उस राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 4/2/86 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

केन्द्रीय सरकार को उस प्राव्य की बाबत जनता से कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5 और 7 द्वारा प्रवर्तक शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मुम्बई पत्तन विस्फोटक पदार्थ उठाई-धराई (संशोधन) नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- मुम्बई पत्तन विस्फोटक पदार्थ उठाई-धराई नियम, 1947 के नियम 4 के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—
"परन्तुक नियम 4 के उपनियम (2) के उपबन्ध मुद्दपोतों में गोला बारूक लगाने और गोला बारूक विकसलने को लागू नहीं होंगे।"

[सं. 2(13)/82-डी.पी.आर/ईजीजी]

ए.पी. गोकक, संयुक्त सचिव,

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 1986

G.S.R. No. 1126 (E) —Whereas a draft of certain rules further to amend the Handling of Explosives in the Port of Bombay was published as required by sub-section (1) of section 18 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884), with the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. G.S.R. 20 (E), dated the 6th January, 1986 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 Sub-section (i), dated the 10th January, 1986, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the notification was published were made available to the public;

And, whereas, the copies of the said Official Gazette were made available to the public on 4-2-86;

And, whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 5 and 7 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Handling of Explosives in the Port of Bombay (Amendment) Rules, 1986.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. After sub-rule (2) of rule 4 of the Rules, 1947 for Handling of Explosives in the Port of Bombay, the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that the provisions of sub-rule (2) shall not apply to the ammunitioning or de-ammunitioning of warship.”

[No. 2 (3) |82-DPR|EGG]

A. V. GOKAK, Jt. Secy.